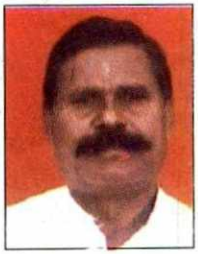

सदस्य का नाम - साय, श्री नंद कुमार
पार्टी का नाम - भारतीय जनता पार्टी
निर्वाचन क्षेत्र एवं क्रमांक - तपकरा (13) अ.ज.जा.

पिता का नाम	-	स्व. श्री लिखन साय
जन्मतिथि	-	1 जनवरी, 1946
जन्म स्थान	-	ग्राम- भगोरा
विवाहित / अविवाहित	-	विवाहित
पत्नी का नाम	-	श्रीमती गुलमोहर देवी
संतान	-	03 पुत्र, 04 पुत्रियाँ
शैक्षणिक योग्यता	-	स्नातकोत्तर
व्यवसाय	-	कृषि
स्थायी पता एवं दूरभाष	-	ग्राम-पो.- भगोरा, तह.-कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)
(दूरभाष क्र. कोड सहित)	-	दूरभाष क्र. ---
स्थानीय पता एवं दूरभाष	-	पुराना जेल अधीक्षक बंगला, रायपुर (छ.ग.)
(दूरभाष क्र. कोड सहित)	-	दूरभाष क्र. (0771) 331055, 283664
अभिरुचि	-	हिन्दी-संस्कृत साहित्य,लोकसंगीत, भजन
पुरस्कार	-	---
विशेष उपलब्धियां	-	---

(सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन का संक्षिप्त विकास क्रम)

1962-72	-	छात्र जीवन से राजनीति में सक्रिय, छात्रसंघ के अध्यक्ष।
1973	-	नायब तहसीलदार पद पर चयनित पर सेवा में नहीं गये।
1977	-	प्रथम बार निर्वाचित, तदन्तर 1985 एवं तीसरी बार 1998 में विधानसभा हेतु निर्वाचित।
1980	-	अध्यक्ष, भाजपा जिला रायगढ़।
1985	-	उपनेता भाजपा विधायक दल।

		सदस्य, अनु. जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण संबंधी समिति, म.प्र. विधानसभा।
1989	–	सदस्य लोकसभा प्रथम बार निर्वाचित एवं पुन: 1996 में निर्वाचित।
1993-96	–	महामंत्री, प्रदेश भाजपा (दो बार)
1996	–	संयोजक, भाजपा संसदीय दल।
1996-97	–	अध्यक्ष, प्रदेश अनु. जनजाति मोर्चा।
1997-2000	–	अध्यक्ष, म.प्र. भाजपा।
2000	–	नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा।

सदस्य, कार्य मंत्रणा समिति एवं सामान्य प्रयोजन समिति छत्तीसगढ़ विधानसभा।
सदस्य राष्ट्रीय परिषद व राष्ट्रीय कार्य समिति।
छात्रसंघ अध्यक्ष रहते हुए आदिवासी समुदाय में शराब छोड़ने हेतु ''जन-जागरण'' तत्पश्चात् शराब छोड़ो आंदोलन चलाया। इसी दौरान एक वृद्ध द्वारा यह कहे जाने पर कि-शराब आदिवासियों के लिये उतनी ही आवश्यक है, जितना कि किसी आदमी के लिए नमक। क्या तुम नमक त्याग सकते हो? तब तुरंत ही नमक छोड़ने का प्रण कर लिया एवं आज पर्यन्त तक नमक का प्रयोग नहीं करते। सन् 1985 में ''विश्व संस्कृत प्रतिष्ठानम'' द्वारा विधायकों हेतु आयोजित संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम में सर्वाधिक रुचि लेने के कारण संस्था की ओर से तत्कालीन उपराष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत। वर्ष 1987-88 में म.प्र. विधानसभा में उत्कृष्ट कार्य हेतु ''उत्कृष्ट विधायक'' के अलंकरण से सम्मानित।